BA.LLB II YEAR IV SEM
SUBJECT: History
CODE: BL-4004
TOPIC - TERRORISM

Terrorism: आतंकवाद– आतंकवाद संपूर्ण विश्व के लिए समस्या बना हुई है। आज सारी दुनिया इस समस्या से जूझ रही है। इसी प्रकार से भारत में भी आतंकवाद की गंभीर समस्या बनी हुई हैं । आतंकवाद से तात्पर्य है कि समाज में भय पैदा करना और कुछ आतंकी संगठन समाज में भय पैदा करके अपनी शर्तो को गैर तरीके से सरकार से मनवाना जो समाज देश व सरकार के लिए हानि कारक है।

आज आतंकवाद भारत के भिन्न भिन्न भागों में भिन्न भिन्न नामों से जाना जाता है। कहीं तो आतंकवाद के नाम से जाना जाता है। कहीं पर अलगाव वाद के नाम से जाना जाता है। कहीं पर उल्फावाद के नाम से जाना जाता है तथा कहीं पर नक्सलवाद के नाम से जाना जाता है। इन सभी का मकसद एक ही होता है, कि समाज में भय पैदा करके अपनी शर्तों को मनवाना, इस प्रकार की शर्तो से राष्ट्र को काफी हानि होती है। इस प्रकार की करतूतें मानव समाज को झकझोर देने वाली होती हैं।

हम देखते हैं कि 1980 से पहले पंजाब के अंदर भिन्डरवाले नामक एक सरदार ने अपना आतंकी संगठन बनाया, जिसकी आतंकी गतिविधियों को सरकार ने कठोरता के साथ कुचल दिया और पुलिस मुठभेड में भिन्डरवाला मारा गया। इसका परिणाम यह रहा कि 1984 में इस संगठन के लोगों ने भारत की प्रधानमंत्री श्रीमती इन्दिरा गांधी की हत्या कर दी। इस घटना से भारत ही नहीं सारी

दुनिया को झकझोर कर रख दिया था, क्योंकि इस समय पर श्रीमती इन्दिरा गांधी विश्व की एक सर्वमान्य नेता थी।

श्रीमती इन्दिरा गांधी के बाद उनके पुत्र श्री राजीव गांधी भारत के प्रधानमंत्री बने, और राजीव गांधी का भी यही हश्र हुआ जो श्रीमती इन्दिरा गांधी का हुआ था। अर्थात 1991 में राजीव गांधी की हत्या तमिलनाडू में तमिल उल्फावादियों के द्वारा कर दी गई थी। इस प्रकार से हम देखते है कि भारत के दो प्रधानमंत्रियों की हत्या आतंकवादियों द्वारा की गई है। आतंकवाद की जडें भारत में किस प्रकार से गहरी हो चूकी हैं।

जब भारत में राष्ट्रीय मोर्चे की सरकार थी तो यहां पर भारत के गृहमंत्री मुफ्ति मोहम्मद सईद थे जो जम्मू कश्मीर के रहने वाले थे उनकी बेटी रूबिया का अपहरण जम्मू कश्मीर के आतंकवादियों ने कर लिया, रूबिया की रिहायी के लिए आतंकवादियों ने भारत सरकार के सामने शर्ते रखी कि कुछ कुख्यात आतंकवादी भारत की जेलों में बन्द है। उन्हें जेल से रिहा करने को कहा। भारत सरकार को आतंकियायें की शर्तों के सामने झुकना पडा और कुख्यात आतंकवादियों को जेल से रिहा करना पडा। ये वो आतंकवादी थे जिन्होंने हमारे सैनिकों की निरम्म हत्या की थी। कितने ही सैनिक आतंकियों से लडते हुए वीरगति को प्राप्त हुए।

इस प्रकार से हम देखते हैं, कि एन0डी0ए0 की सरकार जब बनी और भारत के प्रधानमंत्री श्री अटल बिहारी वाजपेयी बने तो उनकी सरकार के समय पर भारत के एक विमान का अपहरण हुआ था, तो उस समय पर आतंकवादियों ने कुख्यात चार आतंकवादियों को छोडने की शर्त रखी थी, जिसमें भारत सरकार को आतंकवादियों के सामने झुकना पडा और आतंकवादियों को जो भारत की जेल में बन्द थे रिहा करना पडा। बात यही नहीं रूक जाती बल्कि भारत

सरकार को अपने विमानों से इन आतंकियों को छोडने के लिए कन्धार (अफगानिस्तान) जाना पडा। तब जा करके इन आतंकवादियों ने अपहर किये गये विमान को मुक्त किया, और भारत को कितनी बडी कीमत चुकानी पडी। जिससे इन आतंकवादियों को हौसले और बुलंद हो गए।

इस प्रकार से अनेकों उदाहरण हमें देखने को मिलते है। ये तो सब बडी घटनाएं थी, यदि हम भारत के राज्यों के इतिहास अध्ययन करें तो भारत की राज्य सरकारें भी आतकवाद से जुझ रही हैं। जम्बू काश्मोर की सरकारे आतंकवाद से जुझती चली आ रही हैं। और असम की सरकार उल्फावाद से जुझ रही हैं। इस प्रकार तमिलनाडू में उल्फावादी पनप रहे हैं। मध्यप्रदेश, छत्तीसगढ, झारखण्ड व बिहार की सरकारें नक्सलवाद से जुझ रही हैं। दक्षिण के राज्य आन्ध्रप्रदेश व तलंगाना आतंकवाद स जुझ रहे हैं। इन सरकारों के इतने ही जवान इन आतंकियो से लडते हुए अपने प्राणों का बलिदान कर रहे हैं और ये आतंकी संगठन राज्यों को भारी हानि पहुंचा रहे हैं। मार्च के महीने में लॉकडाउन के समय पर छत्तीसगढ में नक्सलवादियों ने हमारे 17 जवानों की हत्या कर दी थी। इस प्रकार से सैकडों घटनाओं को आतंकवादियों के द्वारा अंजाम दिया गया।

For further queries you may reach us via..
E-mail - mahikumud@gmail.com
Mob - **9412547531**
Dr Mahipal
Teaching Assistant
ILS, CCSU campus, Meerut